केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ६ मार्च, २०१६ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण (४७)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) (कुल गुण : ६)

१. गुणातीत संत की महिमा : परमहंसों के पदों में ।
२. जो मूर्तिमान है वह व्यापक कैसे हैं ?
३. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता ।

( ) ....

गुण : ३	

( ) ....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ६		नाम	प्र - २ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. सर्व अवतार एमां समाय, पोते कोईमां लीन न थाय । गुण : १ [ ]

....

२. ऋषि पत्निए हरि राजी कर्या, ऋषि रह्या परितापमांय । गुण : १ [ ]

....

३. उत्तमकुलमां धरी अवतार, श्रीहरि काज तज्यो संसार । गुण : १ [ ]

....

४. अक्षररूप होकर श्रीपुरुषोत्तम नारायण की सेवा करना ही मुक्ति है, ऐसा वे नहीं मानते । गुण : १ [ ]

....

५. त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति मामेति सोऽर्जुन ! ॥ गुण : १ [ ]

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज के मुख से गुणातीतानंद स्वामी की अपूर्व महिमा । गुण : २ [ ]

(१) [ ] हमारे पीछे जितने लोग फिरते हैं उतने मनुष्य इनके पीछे फिरें ।

(२) [ ] इसके समान कोई भगवान नहीं है, और मेरे समान कोई साधु नहीं ।

(३) [ ] इनकी महानता आसन से नहीं है ।

(४) [ ] आत्यंतिक ज्ञान तो इस साधु की महिमापूर्ण पहचान हुई वही है ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४		नाम	प्र - ४ गुण - ४		नाम

२. अक्षरब्रह्म का स्वरूप

गुण : २	

(१) ☐ निर्विकार तथा निरंश है ।

(२) ☐ अनित्य, सनातन एवं अखंड ।

(३) ☐ अन्वय स्वरूप से यह सब से परे सच्चिदानंदरूप है ।

(४) ☐ यह ब्रह्म प्रकृति-पुरुष आदि सब का कारण है ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. वाघाखाचर की निरावरण दृष्टि ।

२. ये तो सर्वज्ञ हैं, सर्वदक्ष हैं, और धन्वंतरि वैद्य हैं ।

३. मुक्तानंद स्वामी को श्रीजीमहाराजने बताया हुआ शांति का पथ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं <u>दो</u> विषयों के बारे में विवरण कीजिए ।(बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. सद्‌गुरु गुणातीतानंद स्वामी की असाधारण महिमा – स्वमुख से ।

२. भगवान निराकार है इस विचार का उद्‌भव कैसे हुआ ?

३. सब से परे अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

( ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. शास्त्रीजी महाराज द्वारा परखा हुआ अक्षर-पुरुषोत्तम उपासना का सिद्धांत सत्य है ।

२. गुणातीत संत की महिमा : 'कामिल, काबिल, सब हुन्नर तेरे हाथ'

३. ब्रह्म को परब्रह्म लीन करते हैं ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ६ गुण – ८		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)
(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. पुरुषोत्तम की प्रेरणा ....

....

....

....

....

.... स्पष्ट भेद है । गुण : १ [ ]

२. अक्षरब्रह्म एक ही है ....

....

....

....

....

.... सेवक के रूप में रहता है । गुण : १ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

३. सगुण और निर्गुणरूप तो .....

.....

.....

..... सूक्ष्म से भी सूक्ष्म है । गुण : १

४. हमारी उपासना अक्षर .....

.....

.....

.....

.....

..... दो चरण की ही है । गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. श्रीजीमहाराज के जूते .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत .....

.....

..... बन सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. पुरुषोत्तम नारायण श्रीजीमहाराज .....

.....

..... समान हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । अक्षर रूप होकर पुरुषोत्तम की उपासना । **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''उसी सत्कार्य के पुण्य प्रताप से आज आपको हमारा सत्संग हो गया ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

२. ''वह इशारा मैं आज तक भूल नहीं पाया !''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''यदि तुम्हारे पास अच्छे संस्कार होंगे तो तुम्हारे घर के खपरैल भी सोने के बन जाएँगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. पर्वतभाई के हाथ से दही गिर पड़ा । **अथवा**

२. बड़ौदा में आयोजित विष्णुयाग में साक्षात् यज्ञनारायण ने दर्शन दिए ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

३. डेविड को ऐसा लगा कि यही आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा है । **अथवा**

४. स्वामीश्री का स्नेहमय स्पर्श और आशीर्वाद चोर पर बरसने लगे ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. लालजी भक्त को महाराज के स्वरूप में दृढ़ता से निश्चय हो गया । **अथवा**

२. तीर्थवासी रघुवीरजी महाराज

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. 'आई हेव गॉड ।' **अथवा** ४. मूर्ति के साथ तादात्म्य की चमक

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम	प्र - १२ गुण - ५		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. रामानंद स्वामी ने सब को कहाँ जाने की आज्ञा की थी ? गुण : १

.....

.....

२. गोपालानंद स्वामी प्रतिवर्ष क्यों जूनागढ़ पधारते ? गुण : १

.....

.....

३. मुक्तानंद स्वामी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ? (संवत्, माह, तिथि) गुण : १

.....

.....

४. मन को शुद्ध करने कौनसा साबुन इस्तेमाल करना चाहिए ? गुण : १

.....

.....

५. किस का परित्याग करके किस की संगत करनी चाहिए ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज ने वांसदा में कृपाप्रसाद दिया । गुण : २

(१) ☐ जरियान वस्त्र (२) ☐ पाघ

(३) ☐ चरणाविंद की छाप (४) ☐ धोती

२. शिवलाल सेठ पूर्व जन्म में ..... थे । गुण : २

(१) ☐ नारदजी (२) ☐ जडभरत

(३) ☐ सिद्धेश्वर राजा (४) ☐ सिद्धवल्लभ राजा

३. शान्तिलाल का बचपन । गुण : २

(१) ☐ गुरु योगीजी महाराज की चिट्ठी मिली ।

(२) ☐ बदरीनाथ-केदारनाथ में प्रभु की आराधना के लिए तड़पन ।

(३) ☐ साधु रामदास ने तेज परख लिया ।

(४) ☐ चाणसद गाँव में जन्म ।

४. भगवान स्वामिनारायण को श्रद्धांजलि अर्पित की गुण : २

(१) ☐ आदि शंकराचार्य (२) ☐ महात्मा गांधी

(३) ☐ चंद्रवदन मेहता (४) ☐ लेखक समरसेट मोम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. ''टंडेल तो मस्त होकर साकार को भजे...'' २. सत्संग में सूर्यास्त : मनुष्यभाव । ३. परात्पर श्रद्धा के पुष्प ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – १४ गुण – १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें